कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 8

# भारतीय राजनीति : नए बदलाव

भाग - 3

Satyaveer Yadav

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

OBC → 1953

1978 → मंडल आयोग
→ 27% आरक्षण

→ 1992 - इन्द्रा साहनी वाद

→ OBC आयोग गठन
14 Aug. 1993

102 वाँ सं. सं. 2018
नवीं दर्ज - अनु. 338(B)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1977-79
जनता पार्टी
1980

- आपातकाल के बाद भारतीय जनसंघ जनतापार्टी में शामिल हो गया।
- जनता पार्टी के पतन और बिखराव के बाद भूतपूर्व जनसंघ के समर्थकों ने 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बनायी। 5-6 April
- भाजपा ने 'गाँधीवादी समाजवाद' को अपनी विचारधारा के रूप में स्वीकार किया।
- लेकिन 1980 और 1984 के चुनावों में भाजपा को खास सफलता नहीं मिली।
- 1986 के बाद इस पार्टी ने अपनी विचारधारा में हिंदु राष्ट्रवाद के तत्वों पर जोर देना शुरू किया।
- भाजपा ने 'हिंदुत्व' की राजनीति का रास्ता चुना और हिंदुओं को लामबंद करने की रणनीति अपनायी।

1st अध्यक्ष - अटल बिहारी वाजपेयी

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1986 में दो बातें हुईं जो एक हिंदुवादी पार्टी के रूप में भाजपा की राजनीति के लिहाज से प्रधान हो गयी।
  - पहली - शाहबानो मामला
  - दूसरी - अयोध्या विवाद



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# शाहबानो विवाद

1985

राजीव गांधी - 1984-89

62 वर्षीया तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानों का मामला

भूतपूर्व पति से गुजारे भत्ते के लिए अदालत में याचिका दायर की।

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला पक्ष में

पुरातनपंथी मुसलमानों ने इस फैसले को अपने 'पर्सनल लॉ' में हस्तक्षेप माना

मुस्लिम नेताओं की माग पर सरकार ने मुस्लिम महिला अधिनियम (1986) पास किया।

इस अधिनियम द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को निरस्त कर दिया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# बाबरी मस्जिद

## अयोध्या विवाद

- 1986
  - फैजाबाद जिला न्यायालय का फैसला
    - बाबरी मस्जिद अहाते का ताला खोल दिया जाना चाहिए, ताकि हिंदु यहां पूजा कर सकें।
    - ताला खुलते ही दोनों पक्षों में लामबंदी
  - भाजपा ने इसे अपना चुनावी मुद्दा बनाया।
    - गुजरात स्थित सोमनाथ से उ.प्र. स्थित अयोध्या तक एक बड़ी रथयात्रा निकाली

- 16वीं सदी में मीर बाकी ने निर्माण कराया।
- मीर बाकी मुगल शासक बाबर का सिपहसलार था।
- कुछ हिंदुओं का मानना कि भगवान राम की जन्मभूमि पर बने मंदिर को तोड़कर उसी जगह पर मस्जिद बनवायी गयी।
- मामला अदालत में 1940 में ताला लगा दिया गया।

ipca
A dose of life

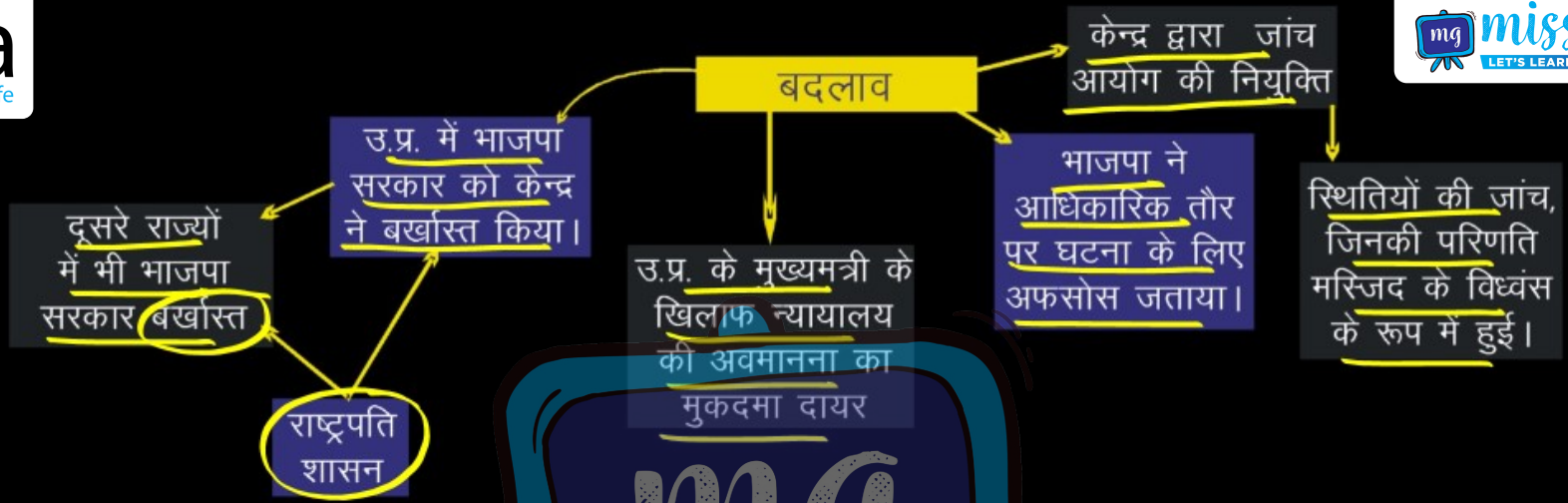
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## विध्वंस और उसके बाद :-

- जो संगठन राम मंदिर के निर्माण का समर्थन कर रहे थे, उन्होंने दिसम्बर 1992 में एक 'कारसेवा' का आयोजन किया।
- रामभक्तों से आह्वान कि वे 'राम मंदिर' के निर्माण में श्रमदान करें।
- SC का राज्य सरकार को आदेश - 'विवादित स्थल' की सुरक्षा का पूरा इंतजाम करें।
- 6 दिसम्बर 1992 को देश के विभिन्न भागों से लोग आ जुटे और इन लोगों ने मस्जिद को गिरा दिया।
- मस्जिद के विध्वंस की खबर से देश के कई भागों में हिंदु और मुस्लमानों के बीच झड़प हुई।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

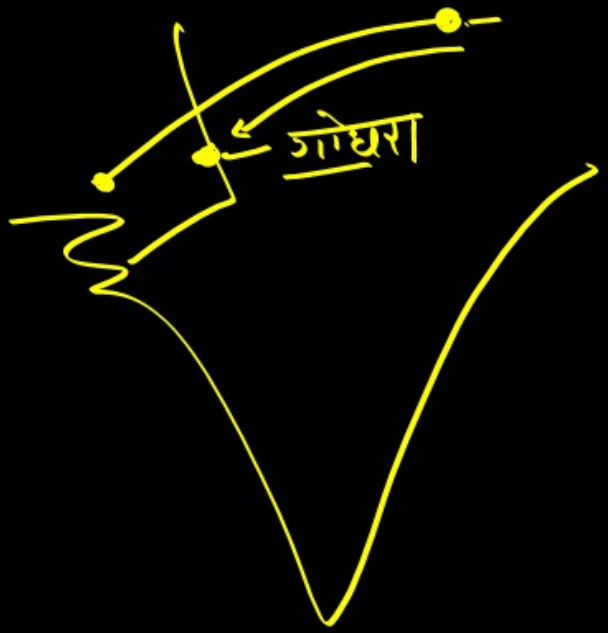



सवाल :-

क्या भारत एक ऐसा देश बनने जा रहा है, जहां बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय का अल्पसंख्यकों पर दबदबा कायम होगा या व्यक्ति चाहे किसी भी धर्म का हो भारत में उसे समान रूप से कानून की सुरक्षा तथा बराबरी के नागरिक अधिकार दिये जायेंगे?

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




2002

## गुजरात के दंगे :-

शुरुआती घटना :- गोधरा स्टेशन पर अयोध्या की ओर से आ रही ट्रेन की बोगी 'कारसेवकों' से भरी हुई थी। इसमें आग लग गई। 57 लोग इस आग में मारे गये।

संदेह :- इस बोगी में आग मुसलमानों ने लगायी होगी।

↓

परिणाम :- गुजरात के कई भागों में मुसलमानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। हिंसा का तांडव एक महीने तक जारी रहा। लगभग 1100 व्यक्ति इस हिंसा में मारे गये, जिनमें अधिकतर मुसलमान थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय मानवाधिकार समूह :- हिंसा को रोकने, भुक्तभोगियों को राहत देने तथा हिंसा करने वालों पर कानूनी कार्यवाही करने में गुजरात सरकार असफल।

चुनाव आयोग ने गुजरात विधानसभा के चुनाव रोकने का फैसला किया।

सबक :- राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धार्मिक भावनाओं को भड़काना खतरनाक हो सकता है। इससे हमारे लोकतांत्रिक राजनीति को खतरा पैदा हो सकता है।